गोबरधन योजना

स्रोत: डाउन टू अरथ

वज्ञान एवं परयावरण केंद्र (CSE) ने गोबरधन पोरटल पर परचिालनरत संपीड़ति बायोगैस (CBG) संयंतर के आँकड़ों में पारदरशति की कमी को उज़ागर कयिा है।

- **संपीड़ति बायोगैस (CBG):** CBG एक नवीकरणीय ऊरजा स्रोत है जो **कृषि अवशेष,** मवेशयिों के गोबर, नगरपालकि के ठोस अपशष्टि और सीवेज मल सहति जैवकि अपशष्टि से उत्पादति होता है।
  - यह जीवाश्म ईंधनों के स्थान पर कृषि एवं पशु अपशष्टिों का प्रबंधन करने तथा खुले में जलाने को कम करने में मदद करता है।
- **गोबरधन योजना:** गैल्वनाइजगि ऑर्गेनकि बायो-एग्रो रसिोर्सेज धन (GOBARdhan) पहल का ध्यान चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लयि अपशष्टि को धन में परविर्तति करने पर केंद्रति है।
  - इसका उद्देश्य सतत् वकिास को बढ़ावा देने के लयि बायोगैस/**संपीड़ति बायोगैस (CBG)/Bio-CNG संयंत्रों** के लयि एक मज़बूत पारस्थितिकिी तंत्र स्थापति करना है।
  - जल शक्ति मंत्रालय का पेयजल और स्वच्छता वभिाग (DDWS) **नोडल वभिाग** के रूप में कार्य करता है।
- **महत्त्वपूर्ण मुद्दे:**
  - **धीमी स्वीकृति:** दसिंबर 2024 तक केवल **115 CBG संयंत्र कार्यात्मक** हैं, जबकि वर्ष 2030 तक 5,000 का लक्ष्य है।
  - **सूचना का अभाव: गोबरधन पोर्टल** पर वशिष्टि CBG संयंत्रों द्वारा उपयोग कयिे जाने वाले फीडस्टॉक्स के ववरण का अभाव है।
  - **परचिालन पारदर्शति:** पोर्टल में **परचिालन संयंत्रों के लयि** अद्यतन जानकारी वाले अनुभाग का अभाव है, जसिसे नीति नरि्माताओं के लयि उद्यमयिों की चुनौतयिों का समाधान करना कठनि हो जाता है।

और पढ़ें: Bio-CNG के माध्यम से भारत का हरति भवषिय

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/gobardhan-scheme